भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या : **901**
दिनांक 21 नवम्बर , 2019 / 30 कार्तिक, 1941 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

एअर इंडिया का विक्रय

901. श्री जयदेव गल्ला:
श्री अदला प्रभाकर रेड्डी:

क्या **नागर विमानन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने एअर इंडिया (एआई) से अपनी हिस्सेदारी पूरी तरह से खत्म करने का निर्णय ले लिया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार ने विनिवेश हेतु बोली आमंत्रित की है और यदि हां, तो प्राप्त बोलियों का ब्यौरा क्या है और यह विनिवेश कब तक हो जाएगा;

(ग) क्या सरकार कर्मचारियों के हितों की रक्षा करने का विचार कर रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) एअर इंडिया का कुल कर्ज कितना है और उसे निजी कंपनी को बेचने की स्थिति में उस ऋण का वहन करने वाले प्राधिकरणों का ब्यौरा क्या है; और

(ङ) क्या एअर इंडिया की संपत्तियों यथा भूमि और उसके भवन भी एक पैकेज के रूप में बेचे जाएंगे अथवा केवल परिचालन और विमान ही बेचे जाएंगे और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री हरदीप सिंह पुरी)

(क): जी, हां। एअर इंडिया विशिष्ट वैकल्पिक तंत्र-व्यवस्था द्वारा अन्य बातों के साथ-साथ एअर इंडिया में रणनीतिक विनिवेश किए जाने की पुन:प्रक्रिया के अंतर्गत एअर इंडिया तथा एअर इंडिया एक्सप्रेस में भारत सरकार की 100 प्रतिशत अंशधारिता के साथ साथ एअर इंडिया एयर ट्रांसपोर्ट सर्विसेज लिमिटेड में भारत सरकार की अंशधारिता की बिक्री किए जाने का अनुमोदन दिया गया है।

(ख) पिछली बार, एअर इंडिया सहित एअर इंडिया एक्सप्रेस एवं एअर इंडिया सैट्स में इसकी हिस्सेदारी में रणनीतिक विनिवेश के उद्देश्य से रूचि अभिव्यक्ति (ईओआई) आमंत्रित किए जाने के लिए दिनांक 28.3.2018 को प्रारंभिक सूचना ज्ञापन (पीआईएम) जारी किया गया था। बोली प्राप्ति की अंतिम तिथि अर्थात 31.5.2018 तक कोई भी बोली/ईओआई

प्राप्त नहीं हुई थी।

नयी सरकार के गठन के पश्चात, एआइएसएएम का पुनर्गठन किया गया तथा इसने एअर इंडिया एवं इसकी सहायक कंपनियों के रणनीतिक विनिवेश की प्रक्रिया के पुनः प्रारंभ किये जाने को अनुमोदित कर दिया। एअर इंडिया के रणनीतिक विनिवेश के लिए रुचि की अभिव्यक्ति को आमंत्रित करने हेतु प्रारंभिक सूचना ज्ञापन (पीआइएम) तैयार किया जा रहा है।

(ग): एअर इंडिया के रणनीतिक विनिवेश के लिए बोली दस्तावेजों में एअर इंडिया के कर्मचारियों से संबंधित मामलों को भी शामिल किया जाएगा जिसकी रूपरेखा के संबंध में निर्णय, एआइएसएएम द्वारा लिया जाएगा।

(घ): 31.03.2019 को एअर इंडिया का कुल ऋण 58,282.92 करोड़ रुपये है। 29,464 करोड़ रुपये के ऋण को, तत्कालीन वित्त मंत्री की अध्यक्षता में दिनांक 07/09/2018 को आयोजित बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार एसपीवी के नाम में स्थानांतरित कर दिया गया है। इसके अलावा उक्त बैठक में अन्य बातों के साथ-साथ यह भी निर्णय लिया गया था कि एअर इंडिया एवं एसपीवी के बीच ऋण आबंटन का आंकलन, विनिवेश की नजदीकी तारीख में पुनः किया जाएगा।

(ङ): एअर इंडिया के रणनीतिक विनिवेश के लिए बोली दस्तावेजों में, अन्य मापदंडों के साथ एअर इंडिया की संपत्ति के निपटान से संबंधित मामलों को भी शामिल किया जाएगा जिसकी रूपरेखा के संबंध में निर्णय, एआइएसएएम द्वारा लिया जाएगा।

*****